"पुस्तकें पढ़ना जरुरी है जो हमारा ज्ञानार्जन करती हैं हमारा कर्त्तव्य है कि पुस्तकालयों में उपलब्ध सुविधाओं की तरफ विद्यार्थियों को आकर्षित करें". यह विचार थे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता के जिनके संरक्षण में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया.
यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित और अग्रवाल महाविद्यालय के पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वचालित पुस्तकालयों की समस्या और समाधान" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 27 मार्च, 2015 को देशभर से आए प्रबुद्ध विचारकों, चिन्तकों, शिक्षाविदों और शिधार्थियों ने पुस्तकालयों की समस्याओं को लेकर विचारों का मंथन किया. पुस्तकालयाध्यक्षों को अधुनिक तकनीकी साधनों से एन.एफ.सी, आर.एफ.आई.डी. सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों के आकर्षित करने का प्रयास करना चाहिए.
प्राचार्य महोदय ने आगंन्तुक समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए उनकी उपलब्धि का जिक्र किया और उनकी सहर्ष अनुमति पर धन्यवाद व्यक्त किया. अध्यक्ष की महता एवं पुस्तकों की भूमिका पर विचार करते हुए इस तरह की संगोष्ठी की उपयोगिता को बताया.
राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ० प्रेम सिंह (रजिस्ट्रार, एस.जी.टी. वि. वि. गुडगांव) ने अपने वक्तव्य में बताया कि प्रत्येक संस्था में पुस्तकालय में महत्वपुर्ण भूमिका है पुस्तकालय का प्रयोग सभी विद्यार्थियों को करना चाहिए साथ ही पुस्तकालय को 24 घंटे खुले रहने की बात कहीं जो इन्टरनेट के द्वारा संभब है.

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित श्री एम.सी. मित्तल (को. फाउंडर, श्रीराम कॉलेज, पलवल) ने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. पुस्तकों के नवीनीकरण और कम्प्यूटर से जुड़ाव के बारे में बताया. श्री विजय गुप्ता (ऐडवोकेट) ने कहा कि पुस्तकालयों का उद्देश्य सभी तक ज्ञान पहुँचाना है. यह उद्देश्य पूरा होना चाहिए.
इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री गोपाल शर्मा (एडवोकेट) रहें और आज की वेलिडेक्ट्री एड्रेस के रूप में ऐंड्रीया हरकोआ (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, स्लोवाकिया) ने महाविद्यालय परिसर की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफलतापूर्वक आयोजन की चर्चा की. इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र और सामूहिक वार्ता का सफल आयोजन हुआ. तकनीकी सत्र में डॉ० शैलेन्द्र कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ० दिनेश कुमार गुप्ता (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय), डॉ० एस.के. चक्रवर्ती (मानव रचना अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद).

डॉ० प्रोजेश रॉय (शहीद राजगुरु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) श्रीमती नीलम थापा (एच.एस.

गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश), श्री आर.बी. सिंह (डी.ए.वी. कॉलेज, फरीदाबाद), डॉ० जीवेश बंसल (पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़), डॉ० सत्य प्रकश (महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विशविद्यालय) ने पुस्तकालय की समस्याओं को लेकर विचार व्यक्त किए.

तकनीकी सत्र के अंत में ऑपन सॉर्स सॉफ्टवेयर (कोहा) का श्री सुनील गंगोत्रा ने प्रस्तुतीकरण किया इस संगोष्ठी में 39 पेपर प्रस्तुत किये गये. महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष को सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में सम्मानित किया गया. राष्ट्रीय गान के द्वारा इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ.